एकल नारी शक्ति संस्थान –राज.

(राजस्थान की गरीब एकल महिलाओं की मजबूत संस्थान)

वार्षिक रिर्पोट 2022 –2023

क्षेत्रीय कार्यालय : 3, पीपल्दा हाउस, राजभवन रोंड़, सिविल लाईन्स, कोटा राज. 324001

रजि. कार्यालय : 39, खारोल कॉलोनी, उदयपुर, राज.–313004 ईमेल – enssrajasthan@gmail.com ensskota@gmail.com वेबसाईट – www.ekalnari.org

अनुक्रमणिका

क.सं.	विवरण	पेज नं0
1.	➢ आवरण पृष्ठ	0
2.	➢ अनुक्रमणिका	1
3.	➢ संस्थान की पृष्ठभूमि, लक्ष्य, उद्देश्य।	2–3
4.	➢ गतिविधियॉ – नियमित बैठके • एकल महिला ब्लाक फेसिलिटेटर मासिक बैठके।	3
	• पंचायत स्तरीय एकल महिला मासिक बैठके।	3
	• राज्य स्तरीय एकल महिला नेतृत्कर्ता बैठके।	4
	• कार्यकारिणी सदस्य बैठके।	6
	• संस्थान सांधारण सभा बैठके।	6
	• ब्लाक कमेटी सदस्य बैठके	7
5.	सफल केस स्टडी :– नरेगा मे जातिगत भेदभाव..........	5
6.	➢ क्षमतावर्धन प्रशिक्षण – • साक्षरता प्रशिक्षण , कार्यकारिणी सदस्य प्रशिक्षण	7 –8
	• एकल महिला राज्य स्तरीय नेतृत्वकर्ता प्रशिक्षण, महिला भूमि अधिकार प्रशिक्षण	9–10
	• महिला किसान प्रशिक्षण।	10
7.	सफल केस स्टडी :– भ्रष्ट डॉक्टर को सिखाया सबक	11
8.	विशेष – 1. बहिनादूज जश्न बहिनचारे का..... 2. संस्थान को मिला इण्डिया इम्पेकट अवार्ड।	12 –13
9.	राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच बैठक	14
10.	➢ सफल केस स्टडी :– 1. पराया दर्द जो समझे.... 2. सरकारी बन्द ड्रेन.........	15
11	अन्य समान उद्देश्य वाली संस्थाओं के साथ भागीदारी ..	16
3. f	संस्थान के मुद्दे /उपलब्धियॉ / चुनौतियॉ • डोनेशन, महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र संचालन	15
	• संस्थान के मुद्दे	18
	• चुनौतियॉ	19
	• उपलब्धियॉ	19
4.	➢ कार्य के वार्षिक आंकडे	20–22
5.	➢ मिडिया कवरेज	23
6.	➢ कार्यक्षेत्र	24–26

एकल नारी शक्ति संस्थान– राजस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन
1 अप्रेल 2022– 31 मार्च 2023

❖ पृष्ठभूमि –

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान की गरीब मजबूत एकल महिलाओ की मजबूत संस्थान है। जिसमे सभी आय, वर्ग, धर्म व जाति की बहिने जुडी हुई है। संस्थान राजस्थान मे एकल महिलाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से पिछले 21 वर्षो से कार्य कर रही है।

सस्थान द्वारा एकल महिलाओं के सषक्तिकरण, उन्हें मजबूती प्रदान करने व एकल महिलाओं के समस्या समाधान, व पिड़ित व वंचित समूह के लिए राहत कार्य के उद्देश्य से 1 अप्रेल 2022 से 31 मार्च 2023 तक विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित गतिविधियां क्रियान्वित की गई।

संस्थान का लक्ष्य

सभी समाज की गरीब विधवा व एकल महिलाऐं पारस्परिक सहयोग से अपनी शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक एंव वैधानिक स्थिति में सुधार लाकर सशक्त नागरिक बने ओर गुणवत्तापूर्ण जीवन जीयें। इस संघर्ष की प्रक्रिया में अपने में और समाज में शक्ति का संचार करे।

संस्थान के उद्देश्य

- एकल महिलाओं को सम्मान से जीने का अधिकार दिलाना।
- सम्पत्ति और जमीन का अधिकार दिलाना और उन्हें अत्याचार से मुक्ति दिलाने का प्रयास।
- एकल महिलाओं मे शक्ति का संचार हो सके, इसलिए उन्हे एकल नारी शक्ति संस्थान से जोड़ना व संगठित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करने व परस्पर एकल दूसरे का सहयोग करने के लिए प्रेरित करना।
- एकल महिलाओं से जुड़ी पारंम्परिक कुरितियों एंव रुढ़िवादिता मे बदलाव लाना।
- एकल नारी हितैषी योजना/कानून लागू करवाना एंव बेहतर क्रियांवयन करवाना।
- कानून की नितियों एंव सरकारी योजनाओं से लांभान्वित करने के लिए एकल महिलाओं की मदद करना।
- सामूहिक प्रयास से आय संवर्धन योजनाओं को लागू करवाना, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ मिल सके।

इस वर्ष की संस्थान की गतिविधियॉ

नियमित बैठके –

➢ एकल महिला ब्लाक फेसिलिटेटर्स की मासिक बैठक –

संस्थान द्वारा प्रतिमाह ब्लाक फेसिलिटेटरर्स की मासिक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें ब्लाक पर कार्य करने वाले 80 से अधिक नेतृत्वकर्ता प्रतिमाह भाग लेते है, बैठक मे प्रतिमाह किये गये ब्लाक कार्यो की रिर्पोट करना, आगामी माह की आयोजना तय करना व फिल्ड के दोरान आये एक दूसरे के अनुभवो को आदान प्रदान करना मुख्य उद्देश्य है। यह बैठक एकल महिला ब्लाक फेसिलिटेटर्स के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

➢ पंचायत स्तरीय एकल महिला बैठके –

संस्थान द्वारा संस्थान के कार्य क्षेत्र की 108 ब्लाक की 543 पंचायतों मे प्रतिमाह एकल महिलाओं की बैठके आयोजित की जाती है। जिसमें एकल महिलाओं के साथ–साथ गांव की अन्य महिलाऐं, पुरुष व जनप्रतिनिधि भी भाग लेते है। प्रत्येक पंचायत मे 5 एकल महिला लीडर्स का चुनाव किया जाता है जो कि उस पंचायत मे आने वाली एकल महिलाओं की समस्या का समाधान करने मे सहयोग करती है। बैठक के दोरान एकल महिलाओं की समस्या सुनना उसका विश्लेषण करना, एक दूसरे के सहयोग से समस्या का समाधान निकालना, नयी–नयी योजनाओं की जानकारी देना, सरकार द्वारा संचालित एकल महिला हितैषी योंजनाओं व अन्य सामाजिक सुरक्षा योंजनाओं से एकल महिला व वंचित लोगो को जोडना साथ ही नरेगा, राशन, स्वास्थ्य सेवाऐ, पानी, बिजली, रोड व अन्य समस्याओं का सामूहिक रुप से मुद्दें उठाना व समस्या समाधान का प्रयास करना।

➢ राज्य स्तरीय कमेटी सदस्य बैठके –

राजस्थान मे एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं की एक राज्य स्तरीय कमेटी है। जिसकी बैठक वर्ष मे 3 बार आयोजित की जाती है। इस बार भी एकल महिला नेतृत्वकर्ताओ की वर्ष मे तीन बार बैठक आयोजित की गई। जिसमें बैठक के दोरान राज्य स्तरीय एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं द्वारा राजस्थान मे एकल महिलाओं की स्थिति पर चर्चा की गई, सरकार की एकल महिला हितैषी योंजनाओं का क्रियान्वयन मे सहयोग पर चर्चा व क्रियान्वयन मे आ रही समस्याओं का परस्पर एक दूसरे के सहयोग से समाधान, एकल महिलाओ द्वारा पंचायत पर सामूहिक हित व एकल महिलाओं के सशक्तिकरण के कार्य को आगे बढ़ाना, महिला किसान व जैविक खेती को और अधिक प्रोत्साहित कर महिला किसानो के लिए आय व पोषण बढ़ाने पर कार्य करना, महिलाओं के भूमि अधिकार के प्रति उन्हें जागरुक करना आदि चर्चाऐं की गई। पूरे वर्ष में 181 संभागियों ने भाग लिया।

बैठको का विवरण –

- 30–31 जुलाई, 2022, स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर संभागी : 62
- 26–27 नवम्बर, 2022, स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर संभागी : 64
- 25–26 मार्च, 2023 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर संभागी : 55

सफल केस स्टडी

नरेगा में जातिगत भेदभाव व छुआछुत को किया खत्म

संविधान मे सबको बराबरी का अधिकार तो फिर भेदभाव क्यों ?

वैसे तो यह समाज जिसे अछूता मानता है। उसका छूआ हुआ पानी नहीं पीता, मगर सांस उसी वातावरण में लेता है जिसमें अछूता व्यक्ति सांस लेता है फिर यह छुआछूत का दोहरा मापदंड क्यो ? यदि आप अस्पताल में हो और आपको ब्लड की आवश्यकता है तो आप ब्लड बैंक से ब्लड लाते समय यह नहीं पूछते कि यह किस जाति, धर्म का है, तो फिर उंच नीच , जात–पात और छूआछूत के लफड़ों मे इंसान अपनी इंसानियत क्यों भूल रहे है। हम देख रहे है कि चाहे दुनिया रहन सहन, स्टेटस मे कितनी भी आधुनिक हो जाये पर अभी भी आये दिन अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लोगों के साथ हर स्तर पर जातिगत भेदभाव व हिंसा समाप्त होने का नाम नही ले रही। एकल महिलाऐं नेतृत्वकर्ता केवल अपने अधिकार व सम्मानपूर्ण जीवन के लिए ही संघर्ष नही कर रही है, बल्कि वह अन्य समुदाय जो समाज की मुख्य धारा मे नही है उनके साथ आज भी जातिगत व अन्य स्तर पर छूआछूत व भेदभाव होता है उनके लिए भी लड़ रही है। ऐसी ही एक एकल महिला लीडर्स कीं संघर्ष की कहानी –

केन्द्र सरकार द्वारा संचालित मनरेगा मे आज भी हर स्तर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लोगो के साथ छूआछुत व भेदभाव हो रहा है। ऐसा ही एक मामला जिला बून्दी की हिण्डोली तहसील की पंचायत बड़ा नया गांव में निकलकर आया। बड़ा नया गांव मे ओबीसी की संख्या ज्यादा है व नरेगा मे पानी पिलाने के लिए या तो ओबीसी या जनरल कास्ट के व्यक्ति को ही लगाया जाता है। यह जून 2022 का मामला है कि इसी गांव मे संस्थान की एकल महिला नेतृत्वकर्ता सदस्य सुनिता सैन मेट का कार्य करती है, और नरेगा कार्यस्थल पर एक पानी पिलाने वाली की आवश्यकता होती है। जिसमें अक्सर ओबीसी या जनरल जाति के महिला पुरुष को ही लगाया जाता है। सुनिता ने अपने मेट होते हुए पहल की नरेगा मे एसटी की एक महिला को पानी पिलाने हेतू लगाया। जिसका कार्यस्थल पर कार्य करने वाले लोगों व मेटों ने जैईन को शिकायत की और काफी विरोध हुआ। सुनिता ने सभी को कहा कि संविधान मे सभी को बराबर का अधिकार है, किसी के साथ छूआछूत करना गलत है, और ऐसा कहा लिखा है कि एसी, एसटी वाले नरेगा मे पानी नही पिला सकते, काफी विरोध के बाद लोग कुछ दिन अपनी पानी की बोटल साथ लाये, उसके बाद सब अपने आप पानी पीने लग गये। उसक बाद किसी ने विरोध नही किया। सुनिता की सोच व कार्य को सभी ने सराहा और कहा कि यह सब करने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए।

➢ कार्यकारिणी सदस्य बैठके :

एकल नारी शक्ति संस्थान की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक वर्ष मे तीन मे बार आयोजित कि जाती है। प्रत्येक वर्ष की भाति इस वर्ष भी संस्थान की तीन कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें संस्थान के ब्लाक फेसिलिटेटर का चयन उनका मूल्यांकन, वार्षिक बजट,

संस्थान के लिए डोनेशन, गतिविधियों का मूल्यांकन, एकल महिलाओं से सम्बन्धित प्रकाशन, संस्थान ब्लाक खातें पर चर्चा, संस्थान के ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन पर चर्चा, महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र संचालन व कार्य मूल्यांकन पर चर्चा की गई, इसके साथ ही एकल महिलाओं से सम्बन्धित कार्य मे आ रही समस्याओं के समाधान पर भी चर्चा की गई।

बैठको का विवरण –

- 30 जुलाई, 2022 स्थान : एटीसी, उदयपुर संभागी : 11
- 26 नवम्बर, 2022 स्थान : एटीसी, उदयपुर संभागी : 12
- 27 जनवरी, 2023 स्थान : एटीसी, उदयपुर संभागी : 13

➢ संस्थान साधारण सभा बैठक –

संस्थान की साधारण सभा की बैठक वर्ष मे एक बार आयोजित की जाती है। इस बार संस्थान की साधारण सभा बैठक दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर मे आयोजित की गई। जिसमें ....साधारण सभा सदस्यों ने भाग लिया।

साधारण सभा बैठक में आडिटर चयन, वार्षिक आयोजना स्वीकृति, बजट स्वीकृति, पिछली साधारण सभा बैठक रिर्पोट पढकर सुनाना व पास करना व इसके साथ ही कार्यकारिणी चुनाव का आयोजन किया गया।

➢ ब्लाक कमेटी सदस्य बैठके –

एकल महिलाओं की ब्लाक कमेटी सदस्यों की साल मे 2 बार बैठके आयोजित की गई। जिसमें पंचायत स्तरीय नैतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक मे एकल महिलाओं के मुद्‌दें जैसे विशेष रुप से खाद्‌य सुरक्षा मे नाम नही जुड़ पाना, पेंशन बढोतरी, नरेगा मे पूरा काम व पूरा दाम नहीं मिलना, महिला हिसां व क्षेत्रीय मुद्‌दों पर चर्चा की गई। 70 ब्लाकस मे इस वर्ष ब्लाक कमेटी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें 1400 एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया।

क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

➢ एकल महिला नैतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण –

दिनांक 18–19 मार्च, 2023 को राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान, कोटा मे 33 एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया। दो दिवसीय प्रशिक्षण के दोरान एकल महिला लीडर्स ने पंचायत स्तर पर एकल महिलाओं को संगठित कर परस्पर एक दूसरे के सहयोग से समस्या समाधान करना सीखना, एकल महिलाओं से सम्बन्धित सरकारी योजनाओं की जानकारी, महिला हिंसा व महिलाओं के भरण पोषण, जमीन भूमि अधिकार सम्बन्धित जानकारी, एकल महिलाओं के मुद्‌दों की पहचान व समस्या समाधान, नरेगा मे पूरा काम पूरा दाम व सामाजिक कुरितियों मे बदलाव के बारें मे जानकारी दी गई। इसके साथ ही बच्चों पर हो रही यौनिक हिंसा, छेड़छाड़ शोषण के मुद्‌दें पर भी एकल महिला लीडर्स की समझ बनी।

समूह चर्चा के पश्चात अपने समूह का प्रस्तुतीकरण देते सदस्याऐं

जिससे कि पंचायत स्तर पर एकल महिलाओं के काम को मजबूती मिले। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण के पश्चात् 2 माह मे काम का मूल्यांकन किया गया। जिसमें निकलकरा आया कि प्रशिक्षण के बाद एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ता के कार्य मे थोड़ी मजबूती आई है। जिन मुद्दों पर उनकी समझ नही थी। वह प्रशिक्षण के दोरान बनी।

- **साक्षरता प्रशिक्षण –**

संस्थान से जुड़ी कई ब्लाक नैतृत्वकर्ता अपने काम में व समझ मे बहुत मजबूत है, परन्तु उन्हें अपने लिखने पढ़ने के कार्य मे समस्या आती है। इसलिए संस्थान ने निर्णय लिया कि जो ब्लाक नेतृत्वकर्ता पढ़े लिखे नहीं है, और पढ़ना चाहते है। उनके लिए 6 माह के लिए उनकी ही पंचायत मे साक्षरता क्लास शुरु की गई। यह साक्षरता कार्यक्रम 5 ब्लाक की 5 पंचायतों मे आयोजित किया गया। जिसमें प्रति ब्लाक नेतृत्वकर्ता कार्यकर्ता के साथ अन्य उनकें क्षेत्र की 9 महिलाओं को भी पढ़ने का मौका मिला। इस छः माह के कार्यक्रम 50 महिलाओं ने पढ़ना लिखना सीखा। जिसमें 5 ब्लाक नेतृत्वकर्ता अब प्रशिक्षण के पश्चात् अपना लिखाई पढ़ाई का कार्य स्वयं करने लगे है। जिससे उनका आत्मविश्वास व काम की गुणवत्ता का भी विकास हुआ।

एकल महिलाओं के साक्षरता प्रशिक्षण के दोरान समूह मे पढ़ती सदस्याऐं

- **कार्यकारिणी सदस्य क्षमतावर्धन प्रशिक्षण –**दिनांक 10 व 11 फरवरी 2023 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर मे संस्थान कार्यकारिणी सदस्यों का दो दिवसीय क्षमताधर्वन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें 11 कार्यकारिणी सदस्य व 5 सन्दर्भ व्यक्तियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नयी कार्यकारिणी को संस्थान के कार्य का संचालन करना, लीगल क्म्पलायन्स, मैनेजमेन्ट, भूमिका व जिम्मेदारी व प्रपोजल बजट गतिविधियों के बारें मे समझ बनाने हेतू यह यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दोरान सन्दर्भ देने हेतू विशेष आमंत्रित

कार्यकारिणी सदस्य प्रशिक्षण मे भाग लेती कार्यकारिणी सदस्य

सदस्य आस्था से कमलेन्द्र राठोड़, रजिस्ट्रार आफिस से आबिद अंसारी, चार्टटेड अकाउन्टटेन्ट व विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता डा. जीनी श्रीवास्तव ने भाग लिया।

<u>कार्यकारिणी सदस्य प्रशिक्षण में सन्दर्भ देते हुऐं सन्दर्भ व्यक्ति</u>

➢ एकल महिला राज्य स्तरीय सदस्य क्षमतार्वधन प्रशिक्षण

दिनांक 28–29 मार्च, 2023 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर में एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा दो दिवसीय राज्य स्तरीय एकल महिला नेतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें 55 संभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देंश्य एकल महिलाओं की राज्य स्तर पर नेतृत्वकर्ता के रुप मे भूमिका व जिम्मेदारी, एकल महिलाओं के मुददें की पहचान व समाधान की प्रक्रिया समझना, एकल महिलाओं का सशक्तिकरण, पंचायत पर एकल महिलाओं के कार्य को मजबूत करना आदि।

➢ महिला भूमि अधिकार जागरुता प्रशिक्षण –

ब्लाक व पंचायत स्तरीय नैतृत्वकर्ताओं द्वारा इस वर्ष मे अलग–अलग संस्थाओं के सहयोग से 157 ब्लाक व पंचायत स्तरीय नेतृत्वकर्ताओं ने महिला भूमि अधिकार साक्षरता कार्यक्रम, महिला भूमि अधिकार जागरुकता कार्यक्रम के तहत् प्रशिक्षण प्राप्त कर महिला भूमि अधिकारों के मुद्दें को समझा व अपने क्षेत्र मे एकल महिला व अन्य महिलाओं को उनके ससुराल पीहर या अन्य जगह से अधिकार लेने मे सहयोग किया।

➢ महिला किसान की पहचान व जैविक खेती पर प्रशिक्षण –

एकल महिला लीडर्स पंचायत स्तर राजस्थान के 16 ब्लाक की 32 पंचायतो मे महिला किसान की पहचान, पोषण, जैविक खेती, किचन गार्डन, किटनाशक तैयार करना, देशी खाद् बनाना, मुर्गी पालन व फलदार व छायादार वृक्ष लगाकर पर्यावरण बचाने का कार्य भी कर रही है। इस कार्य मे 32 पंचायतों मे 512 महिला किसान जुड़ी हुई है। जिसमें से 70 प्रतिशत एकल महिला किसान व 30 अन्य महिला किसान जुड़ी हुई है, लेकिन इस पूरे महिला किसान जागरुकता कार्यक्रम की लीड एकल महिलाऐं ले रही है। इस वर्ष मे 505 किसान महिलाओं ने शैक्षणिक भ्रमण, जैविक खेती प्रशिक्षण व पशुपालन सम्बन्धित प्रशिक्षणेंा मे अलग–अलग संस्थाओं के साथ जुड़कर प्रशिक्षण लिया।

जैविक खाद् बनाने का प्रशिक्षण लेते हुऐ महिला किसान

सफल केस स्टडी

भ्रष्ट डॉक्टर को सिखाया सबक, करवाया ट्रांसफर

"एकल महिला लीडरर्स की शिकायत पर सरकारी डाक्टर ने मांगी माफी, और करवाया ट्रांसफर"........

जिला दौसा ब्लाक लालसोट पंचायत मटलाना गांव शिवसिंहपुरा की सज्जन कंवर 52 वर्षीय बीपीएल धारी विधवा एकल महिला है और 9 वर्ष से संस्थान के एकल महिला कार्य से जुड़ी हुई है। जब सज्जन कंवर को सितम्बर 2022 को डेंगू बुखार आया तो वह सरकारी डिस्पेन्सरी मे डाक्टर को दिखाने गई तो डाक्टर ने उन्हें देखा एक इन्जेक्शन लगाकर दूसरे दिन शाम को घर पर दिखाने के लिए बोला। उसने सारी बात ब्लाक नेतृत्वकर्ता विष्णु कंवर को बताई, दूसरे दिन विष्णु कंवर भी सज्जन कंवर के साथ उसके घर पर दिखाने गई।जब सज्जन कंवर व विष्णु कंवर घर पर दिखाने गई तो वहॉ कुछ मरीज बैठे हुऐ थे, जिनसे डाक्टर साहब 200 –300 रु ले रहे थें जब सज्जन कंवर ने उनको दिखाया तो डाक्टर ने उनसें भी एक इन्जेक्शन देकर 300 रु मांगे और बोला कि दवाईयॉ फ्री मे थोड़ी आती है, तो साथ मे विष्णुकंवर ने बोला कि यह सरकारी दवाईयॉ फ्री मे ही आती है आपको किस बात के पैसे दे और फिर दोनो ने 181 सम्पर्क पोर्टल पर कॉल कर डाक्टर की शिकायत कर दी। इसके बाद डाक्टर अपनी सफाई पेश करने स्वास्थय मंत्री परसादी लाल मीणा के पास पहुॅच गया। लेकिन जब वह अपनी बात रख रहा था उसी समय विष्णु कंवर जी गांव के कुछ लोग वहा खड़े हुए थे जो कि डाक्टर की यह करतूत जानते थे। गांव के लोग मत्री के सामने विष्णु कंवर की हिम्मत की सराहना करने लगे और डाक्टर जो लम्बे समय से यह सब कर रहा था उसके बारें मे भी बताया। मंत्री ने डाक्टर को खूब खरी खोटी सुनाई और दोनो शिकायत करने वाली महिला नेतृत्कर्ताओं से माफी मंगवाई व डाक्टर को वहॉ से ट्रांसफर कर दिया। विष्णु कंवर जी ने गांव वालो को समझाया कि यह हमारा अधिकार है कोई भीख नही है रिश्वत देना व लेना दोनो गलत है। सभी गांव वालो ने विष्णु कंवर जी के काम को सराहा।

हम सब जानते है कि जितना रिश्वत लेने वाला
गुनहगार है, उतना ही देने वाला भी...
हम बदलेगे तभी स्थितियॉ बदलेगी।

विशेष

बहिना मेरी प्रेम के बन्धन को निभाना.....राजस्थान में गूंजा बहिनचारे का नारा

"बहिनादूज जश्न बहिनचारें का राजस्थान मे विशाल आयोजन"

- **2 से 7 नवम्बर 2022 तक मनाया गया अनूठा त्यौहार।**
- **सभी समुदाय, जाति, धर्म के लोगो व जनप्रतिनिधियों का मिल रहा कार्यक्रम को सहयोग.....।**

बहिनादूज जश्न पर राज्य मंत्री माननीय धीरज गुर्जर एकल बहिन को रक्षा सूत्र बाधंते हुए व सदस्याऐं उत्सव मनाते हुए

संस्थान द्वारा इस वर्ष 2 से 7 नवम्बर 2022 तक बहिनादूज कार्यक्रम जश्न बहिनचारें का राजस्थान में एकल महिलाओं द्वारा बहुत धूमधाम से मनाया गया। पहले बहिनादूज कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान द्वारा 2016 मे राज्य स्तरीय कार्यक्रम के रुप मे कोटा से की गई थी, और अब इस कार्यक्रम ने पंचायत स्तर, ब्लाक स्तर, जिला व राज्य स्तर तक अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। इस कार्यक्रम मे अब सभी एकल महिला, अन्य महिला, पुरुष, बच्चें व जनप्रतिधि व अधिकारी भी जोंश के साथ भाग ले रहे है व कार्यक्रम की सराहना करते हुए कार्यक्रम आयोजन मे सहयोग कर रहे है। इस वर्ष आयोजित कार्यक्रमों मे 7 जिला स्तरीय, 20 ब्लाक स्तरीय व 330 पंचायतो मे बहिनादूज जश्न का कार्यक्रम एकल महिलाओं द्वारा ढोल, डीजे, नाच, गाना, प्रतियोगिता, रैली व संगोष्ठियों के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रमो के आयोजन मे लगभग 3,30,000.00 (तीन लाख तीस हजार रुपयें) का जन सहयोग व **94,950.00**/रु का केश सहयोग प्राप्त हुआ व कार्यक्रम मे **7663** संभागियों ने भाग लिया।

<u>विशेष</u> : भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर ब्लाक मे बहिनादूज का विशेष कार्यक्रम आयोजन हुआ। जिसमें जहाजपुर व कोटडी तहसील की 48 सें अधिक पंचायतो सें 2520 एकल महिला व अन्य महिला, सरपंच व वार्ड पंचों, एसडीएम, तहसीलदार, डिप्टी आदि कई अधिकारियों ने भाग लिया। ''कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्य मंत्री श्री धीरज गुर्जर ने एकल महिलाओं से राखी बधंवाते हुऐ अपने उद्बोधन मे कहा कि केवल भाई ही बहिन की रक्षा नही करते इतिहास गवाह रहा है कि आवश्कता पड़ने पर बहिने भी भाई की रक्षा करती है, इसलिए भाईयों को भी अपनी बहिन को रक्षा सूत्र बांधना चाहिए और यह सोच समाप्त करनी चाहिए कि केवल पुरुष ही महिलाओं की रक्षा कर सकते है। उन्होंने बहिनों को भी रक्षा सूत्र बांधा,'' कार्यक्रम के दोरान बहिनादूज कार्यक्रम की सराहना करते हुऐ सभी बहिनों को एक दूसरे की सुख दुख मे मदद करने का संकल्प दिलवाया गया व एसडीएम द्वारा कार्यक्रम के 3 दिन बाद एकल महिलाओं की समस्या समाधान हेतू एक शिविर लगाने की घोषणा की जिसमें सभी विभाग से सम्बन्धित अधिकारी भाग लेगे व मौके पर ही समस्याओं का समाधान करेगे। यह कार्यक्रम सभी समुदाय व धर्मो की बहिनों के बीच सोहार्द प्रेम व एक दूसरे की मदद व सहयोग देने की भावना को और मजबूती दे रहा है। आने वाले समय में यह कार्यक्रम बहिनचारें की एक मिशाल समाज देश मे स्थापित करेगा।

सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग उपनिदेशक को समस्याओं का ज्ञापन देती एकल महिलाऐं

संस्थान को मिला ''इण्डिया इम्पेक्ट अवार्ड 2022''

दिल्ली, 24 जून 2022 को द अशोक होटल, न्यू दिल्ली मे सोसियो स्टोरी फाउन्डेशन की ओर से आयोजित ''इण्डिया सस्टेनिबिलिटी कॉनक्लेव, इण्डिया इम्पेक्ट अवार्ड 2022'' का आयोजन किया गया। जिसमें एकल नारी शक्ति संस्थान, राजस्थान को एकल महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरण व महिला किसान व जलवायु परिवर्तन पर सराहनीय कार्य करने हेतू माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र तोमर व राज्य कृषि मंत्री कैलाश चौधरी द्वारा अवार्ड

''इण्डिया इम्पेक्ट अवार्ड 2022'' केन्द्रीय कृषि मंत्री व राज्य मंत्री से अवार्ड प्राप्त करते हुए एकल नारी शक्ति संस्थान की प्रतिनिधि

देकर सम्मानित किया गया। संस्थान की और से संस्थान प्रतिनिधी सचिव विष्णु कंवर, कॉर्डिनेटिंग डॉयरेक्टर चन्द्रकला शर्मा व ब्लाक नेतृत्वकर्ता ममता देवी द्वारा अवार्ड प्राप्त किया।

राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की बैठक मे भागीदारी

राष्ट्रीय मंच की बैठक मे भागीदारी

राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की दो दिवसीय वार्षिक कार्यशाला बेदला स्थित आस्था प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित की गई। बैठक मे 6 राज्यों से 30 राज्य स्तरीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की राष्ट्रीय संयोजिका निर्मल चन्देल ने बताया कि राष्ट्रीय मंच 11 राज्यों मे एकल महिलाओं के संगठनों का एक मंच है, जिसमें सवा दो लाख से अधिक एकल महिला सदस्याऐं जुड़ी हुई है। मंच मुख्य रुप से एकल महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा, सुरक्षा, महिला हिंसा, महिलाओं को जमीन का अधिकार व आजिविका जैसे मुद्दों पर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में अतिथि प्रो. सुधा चौधरी ने कहा कि महिलाओं को समाज मे सम्मान और इंसान होने की पहचान मिलनी चाहिए, जो अभी स्थापित नही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा समाज और परिवार को चलाने के लिए किये जा रहे अथक श्रम की पहचान व महत्व की लड़ाई खुद ही लड़नी होगी।

कार्यशाला में हिमाचल की राधा रंधववाल, राजस्थान की लाली धाकड़, झारखण्ड की सुहागिनी टूडू, पंचाब की दलजीत कौर, गुजरात की पुष्पा बेन मकवाना, दिल्ली की संध्या गौतम आदि ने एकल महिलाओं के समक्ष आ रही चुनौतियों को सांझा किया।

डा. जीनी श्रीवास्तव ने कहा कि ''**अवसाद मे जी रही महिलाऐं संगठन के साथ जुड़कर अपने जीवन को खुशहाल बना सकती है, क्योंकि संगठन एक वैकल्पिक परिवार के रुप मे महिलाओं को संबल प्रदान कर रहा है।''** कार्यशाला में देश मे महिलाओं पर बढ़ती हिंसा पर चिन्तन व विमर्श किया। एकल नारी शक्ति संस्थान, राजस्थान से चन्द्रकला शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ समय से महिलाओं पर होने वाली हिंसाओं में बढ़ोतरी हुई है, जो बहुत चिन्ताजनक है। हिमाचल मे पिछले वर्षो मे किशोरियों की खरीद फरोक्त व गुमशुदगी के मामले तेजी से बढ़े है। झारखंड से आई बहन ने बताया कि राज्य में मानव तस्करी के मामले तेजी से बढ़े है, पंजाब से आई सदस्या ने किशोरियो के साथ आये दिन बढ़ते यौंन उत्पीड़न पर चिंता व्यक्त की व मंच का आगामी एक वर्ष मे किन मुद्दों व समस्याओं का लेकर मजबूती से कार्य करेगें, इसकी आयोंजना तय की गयी।

सफल केस स्टडी

पराया दर्द जो समझे उसे इंसान कहते है : गीता

"जिन्हें महसूस इंसानो के दुख दर्द नहीं होते, वो इंसान भी हरगिज पत्थरों से कम नही होते" संगठित होने के बाद एकल महिलाओ ने हमेशा से ही यह साबित किया है कि उनके लिए जाति धर्म से बडी मानव सेवा व इन्सानियत है। दिनांक 29 अगस्त 2022 को जब संगठन कार्यकर्ता गीता देवी रोडवेज बस से उदयपुर स्टाफ मिटिंग से पाली जा रही थी। उसी समय रास्ते मे जाम लगा था। संगठन सदस्य गीता ने पता किया कि जाम क्यो लग रहा है ? तो पता चला कि एक प्रेगनेन्ट महिला बहुत दर्द मे है उसे लेबर पेन आ रहे है और गाड़ी वाला उसके चिल्लाने के कारण आगे गाड़ी ले जाने को तैयार नही है। गीता ने जाकर गाडी वाले से बात की कि इसे जल्दी अस्पताल ले जा तो गाड़ी वाला अड़ियल स्वभाव का था। उसने मना कर दिया। जिससे उसका पति बहुत परेशान हो गया। गीता ने कहा कि आप बोलो तो मे यही डिलेवरी करवा दूं तो उसके पति ने कहा कि आप तो हिन्दू हो और हम मुस्लिम है तो क्या आप यह कर पाओंगे ? गीता ने जवाब दिया कि धर्म से क्या फर्क पड़ता है इन्सान तो हो ना ? और आसपास के लोगो से गर्म पानी व आवश्यक सामान जुटाया व गाडी मे ही उसकी डिलेवरी करवा दी। जिसके बाद उस महिला को अस्पताल पहुॅचाया। सभी लोगो ने कहा कि धर्म कुछ नहीं इन्सान ही इन्सान के काम आता है।

....

सरकारी बन्द नहर की ड्रेन को एक ही दिन में खुलवाया– एकल महिला लीडर्स ने

कविता बाई पत्नी सुभाष उम्र 35 वर्षीय जोरावपुरा गांव इटावा पंचायत समिति पिपल्दा तहसील जिला कोटा में अपने पति व 2 बच्चों के साथ जमीन पर खेती बाड़ी कर परिवार का पालन पोषण करती है। पति गंभीर बिमारी से ग्रसित है। और आय का एकमात्र साधन खेती है। कविता बाई पिछले 3 वर्षो से पंचायत स्तर पर एकल महिलाओं की बैठक मे जुड़ी हुई है। उसने दिनांक 13.7.22 को मीटिंग के दौरान संस्थान कार्यकर्ता को अपनी यह समस्या बताई कि पिछले 12 वर्षो से उसके खेत में सरकारी डेम का पानी भर जाने से सोयाबीन की फसल गलकर खराब हो जाती है। कविता ने यह भी बताया कि यह सरकारी ड्रेन उसके खेत में से होकर निकल रहा है और कुछ लोगों ने इस ड्रेन को अतिक्रमण कर उसके खेत में बंद कर दिया है। जिससे ड्रेन का सारा पानी उसके खेतों में भर जाने से हर साल फसल गलकर खराब हो जाती है। ब्लाक नेतृत्वकर्ता व पंचायत स्तरीय एकल महिला सदस्यों ने समस्या को अति गंभीर मानते हुए तुरंत कविता बाई के साथ वकिल साहब के पास जाकर एक प्रार्थना पत्र टाईप करवाकर नहर अध्यक्ष व तहसीलदार को अपनी समस्या बता कर एईएन साहब के समक्ष उपस्थित हुई तो, उन्होंने उक्त प्रार्थना पत्र पर तुरंत कार्यवाही कर संबंधित अधिकारियों को देकर घटना स्थल पर जेसीबी भेज दी और उसी समय कविता बाई के खेत मे अतिक्रमण के कारण बंद ड्रेन को खुलवा दिया गया। इस प्रकार कविता बाई की पिछले 12 वर्षो की समस्या का एक ही दिन में किया गया।

अन्य समान उद्देश्य वाली स्वंयसेवी संस्था के भागीदारी

1.	16–17 अप्रेल 2022	महिला भूमि अधिकार के मुद्दे पर क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर	25
2.	27–29 अप्रेल 2022	कोरो मे संस्थागत विकास हेतू संस्था प्रधानो का प्रशिक्षण, बोध शिक्षा समिति, कूकस, जयपुर	1
3.	2–5 मई 2022	महिला भूमि अधिकार लिटरेसी प्रशिक्षण मे भाग लिया, स्थान : लोकतन्त्र शाला, भीम	5
4	3–7 मई 2022	किसान महिला नेटवर्क मिटिंग, गोयल ग्रामीण संस्थान, कैथून, कोटा मे।	4
5	13 जुलाई 2022	सीआईआई फाउन्डेशन कोलेब्रेषन नेटवर्क मिटिंग मे भागीदारी, होटल फर्न, जयपुर	लाली, चन्द्रकला
6	16 जुलाई 022	कोरो इण्डिया के साथ एनजीओं नेटवर्क मिटिंग, स्थान : ईएनएसएस कार्यालय, कोटा	16 संभागी
7	17–20 जुलाई	महिला भूमि अधिकार लिटरेसी प्रशिक्षण, लोकतन्त्रशाला, भीम	साधना, गीता, छोटा, कमला
8	24 अगस्त, 2022	महिला समानता दिवस, जयपुर कार्यक्रम राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे भाग लिया। स्थान : कृषि अनसंधान केन्द्र, जयपुर	10 संभागी
9	01.09.2022	छूआछूत मुक्त राजस्थान अभियान में भागीदारी, शहीद स्मारक, जयपुर	20 सदस्य

संस्थान के इस वर्ष के मुद्दें/उपलब्धियॉं/चुनौतियॉं

संस्थान सदस्यों द्वारा एकत्रित डोनेशन रिकार्ड 2022–2023

☞ सदस्यों द्वारा स्थानीय स्तर पर चन्दा की गई राशि चेक व केश	:	1,77,200.00
☞ साधारण सभा सदस्य व ब्लाक कमेटी सदस्य सदस्यता शुल्क	:	1,59,404.00
☞ महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, संचालन का बजट आया	:	2,77,892.00
☞ कोर्पस फन्ड ब्याज	:	2,41,464.00

इस वर्ष कार्यकारिणी एकल महिला लीडर्स का अपने स्तर पर द्वारा अपने स्तर पर = 8,55,960.00

काइन्डस डोनेशन : 3,30,000.00

महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र का संचालन –

एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र कोटा शहर पिछले 12 वर्षो से संचालित किया जा रहा है। महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र राजस्थान सरकार के महिला अधिकारिता विभाग द्वारा महिला थाना परिसर मे संचालित किया जाता है। केन्द्र मे आने वाली सभी पिड़ित महिलाओं को उनकी समस्या समाधान हेतू उचित सलाह, मार्गदर्शन दिया जाता है व काउन्सलिंग के माध्यम से समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जाता है।

इस वर्ष महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, कोटा शहर मे 1 अप्रेल 2022 से 31 मार्च 2023 तक कुल प्रकरण 456 रजिस्टर्ड हुऐ। जिसमे सभी पिड़ित महिलाओं को उचित मार्गदर्शन व सलाह दी गई व साथ ही समस्याओं का समाधान भी किया गया।

केन्द्र कार्य के कुछ विशेष डेटा –

- 142 प्रकरणों मे पति पत्नि के बीच आपसी मनमुटाव था उसमें समझाईश से वापस साथ रहने लगे।
- 12 महिलाओं को उनका स्त्रीधन वापस दिलवाया।
- 17 महिलाओं को उनके ससुराल व पति से अपने बच्चे दिलवाये।
- 18 महिलाओं को दहेज प्रकरण के मामलो मे थाने मे एफआईआर लिखवाने मे सहयोग किया।
- 5 महिलाओं को निशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने मे सहयोग किया।
- 25 महिलाओं पर हिंसा सम्बन्धित मामलो मे थानो से उचित कार्यवाही करवाने मे सहयोग किया।
- 2 महिलाओं को कोर्ट द्वारा भरण पोषण के आदेश की अनुपालना मे सहयोग किया।
- हिंसा मुक्त समाज बनाने हेतू 8 कार्यशालाओं व गोष्ठियों मे भागीदारी कर हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने का सन्देश दिया गया।

इस वर्ष संस्थान के मुख्य मुद्दें

इस वर्ष संस्थान के कार्य करने के मुख्य मुद्दें निम्नलिखित रहे –

- महिला किसान को पहचान मिले और उनके काम को मान्यता मिले।
- देशी व जैविक खेती का प्रोत्साहन देना।
- महिला भूमि अधिकार के प्रति एकल महिलाओं को जागरुक करना।
- बाल यौंन हिंसा, छेड़छाड़ के प्रति जागरुता लाना।
- सरकार द्वारा समय–समय पर जारी आदेश व गाईडलाईन्स व योंजनाओं के प्रति जागरुक करना व लाभ दिलावाने के प्रयास।
- आजिविका, रोजगार, का मुद्दा।
- अधिक से अधिक एकल महिला व वंचित लोगों को नरेगा, खाद्य सुरक्षा व पोषाहार से जोड़ना।
- स्वास्थ्य का मुद्दा।
- एकल महिला क्षमतावर्धन करना व नये नैतृत्वकर्ताओं की पहचान।
- अधिक से अधिक गरीब एकल महिलाओं तक संस्थान की पहुॅच व उनकी समस्या का समाधान करना, व उनको उनका अधिकार दिलवाने का प्रयास।

चुनौंतिया –

- एकल महिलाओ के लिए कार्य करने हेतू संस्थान द्वारा आवश्यकतानुसार बजट जुटाना।
- क्षेत्र मे कार्य कर रहे पढ़े लिखे ब्लाक नेतृत्वकर्ताओं का लम्बे समय के लिए टिकाउपन।
- संस्थान का कार्यक्षेत्र विस्तृत होने पर कार्य की मोनिटरिंग व नये एकल महिला नेतृत्वकर्ताओ की पहचान।
- एकल महिलाओं के कई प्रकार के केसो/मुद्दों मे न्याय प्रक्रिया मे देरी से क्षेत्र मे लोगो का विश्वास बनाये रखना।
- समाज मे पितृसत्तात्मक सोच के कारण महिलाओं को भूमि अधिकार व किसान की पहचान दिलवाना चुनौतिपूर्ण है।

इस वर्ष की उपलब्धियॉ

एकल महिलाओं द्वारा बार–बार सामूहिक रुप से सरकार को अपनी समस्याओं से अवगत करवाने के लिए डाले गये पोस्ट कार्ड सरकार व सरकार के प्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों के सामने अपनी समस्याओं के रखने पर राजस्थान सरकार द्वारा एकल महिला की समस्याओं को महत्वपूर्ण मानते हुए, सरकार द्वारा एकल महिलाओं के लिए किये गये विशेष प्रयास –

- 60 वर्ष से कम उम्र वाली एकल महिलाओं की पेशन राशि 500 रु से बढ़ाकर 1000 रु की गई।
- प्रति वर्ष स्वतः महगांई दर के हिसाब से सामाजिक सुरक्षा पेंशन 15 प्रतिशत बढ़ाने का तय किया गया।
- एकल महिला पालनहार योंजना मे 18 वर्ष से कम उम्र की 3 बच्चों तक पालनहार राशि 1000 रु से बढ़ाकर 1500 रु की गई।
- उज्जवला योंजना में गैस सब्सीडी मे महिलाओं को 50 प्रतिशत सब्सीडी मिली।

- एकल महिलाओं का क्षमतावर्धन – इसी वर्ष 1200 से अधिक पंचायत स्तरीय व ब्लाक नेतृत्वकर्ताओं ने एकल महिलाओं ने अलग–अलग मुद्दो पर क्षमतवार्धन प्रशिक्षणों मे भागीदारी निभाई।
- एकल नारी शक्ति संस्थान को महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र संचालन हेतू चयन किया गया।

एकल महिला लीडर्स व वोलियन्टरर्स के सहयोग से एकल महिलाओं को मिले सहयोग व लाभ के वार्षिक आंकड़े

- **संस्थान से इस वर्ष जुड़ी नयी एकल महिलाऐं : 5450**
- **संस्थान से जुडी कुल एकल महिलाऐ : 88,934**
- **पंचायत स्तर पर होने वाली बैठको मे भागीदारी :**

एकल महिला : 61901 अन्य महिला : 13778 पुरुष : 4551

स्थानीय जनप्रतिनिधी व राजकीय कर्मचारी : 1674

- **लोकल डोनेशन एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं द्वारा : 3,36,604.00**

क.सं.	विवरण		लाभार्थीयों की संख्या
1	कितने पेंशन फार्म भरे	विधवा	1507
		स्वीकृत हुए	653
		वृद्धावस्था	765
		स्वीकृत हुए	311
		परित्यकता	208
		स्वीकृत हुए	87
		विकलांग	300
		स्वीकृत	112
3	कितनी रूकी हुई पेंशन शुरू हुई	विधवा	1107
		वृद्धावस्था	616
		परित्यकता	114
		विकलांग	0
4	कितनी एकल महिलाओं को सरकारी योंजना का लाभ दिलवाने मे सहयोग किया।	विधवा पालनहार योजना फार्म भरे	868
		स्वीकृत हुए	291
		विधवा पुर्नविवाह योजना फार्म भरे	0
		स्वीकृत हुए	0
		विधवा की पुत्री की शादी के फार्म भरे	384
		स्वीकृत हुए	89

		बी.पी.एल सूची में नाम जुड़वाने के लिए अपील की।	323
		स्वीकृत	0
		राशन की दुकान से अनाज मिला	1167
		काम/रोजगार मिला	1908
		जॉब कार्ड बनवाये	924
		इन्दिरा आवास योजना के फार्म भरवाये	574
		स्वीकृत हुए	273
		स्वास्थ्य लाभ हेतु– 1. मुफ्त दवा दिलवाई	3151
		2. ऑपरेशन करवाये	244
5	प्रमाण पत्र बनवाने मे सहयोग व जानकारी दी।	मृत्यु प्रमाण पत्र	632
		जन्म प्रमाण पत्र	613
		मूल निवासी प्र0 पत्र	588
		जाति प्रमाण पत्र	580
		आय प्रमाण पत्र	515
		विवाह पंजीयन करवाये	219
6	ग्रामीण विकास कार्य करवाये	हेड़पम्प लगवाये,	182
		खरंचा बनवाया,	34
		बिजली लगवायी	123
		शौचालय बनवाये	0
		जनाधार कार्ड बनवाये	0
		आधार कार्ड बनवाये	0
		गैस कनेक्शन दिलवाये	340
		अन्य	
7	कितनी एकल महिलाओं को जानकारी एवं उचित मार्गदर्शन दिया		8316
8	समझाईश के लिए कितने केस आये व किस प्रकार के?		195
	कितने केसों में सफल समझाईश की?		87
9	कितने महिला अत्याचार/ हिंसा के कितने केस आए	शारीरिक अत्याचार /हिंसा	38
		मानसिक अत्याचार /हिंसा	32
		यौनिक हिंसा	3

10	कितने महिला अत्याचार के कितने केस निपटाए	शारीरिक अत्याचार /हिंसा	26
		मानसिक अत्याचार /हिंसा	11
		यौनिक हिंसा	3
11	कितने जमीन संबधी केस आए	जमीन का बंटवारा	133
		जमीन पर कब्जा	69
12	कितने जमीन संबधी केस निपटाए	जमीन का बंटवारा	24
		जमीन पर कब्जा	20
		अन्य	8
13	बाल यौन हिंसा अपराध संबन्धित जागरूकता।	यौन हिंसा व बच्चों पर होने वाले अपराध के प्रति कितने स्कूलों में जानकारी दी।	0
		कितने बच्चों को जागरूक किया।	0
14	पोषाहार संबन्धित जानकारी	कितने स्कूलों में मिड–डे मील की स्थिति जानी	0
		कितने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषाहार की स्थिति जानी।	0
15	कितने इंतकाल खाते खुलवाए		110
16	कितने पुलिस केस करवाए	महिला अत्याचार	31
		जमीन संबंधी	28
		अन्य	21
17	एकल महिलाओं से सम्बन्धित सामाजिक कुरितियों मे बदलाव की ओर कदम बढ़ाया व स्वयं के बच्चों के विवाह मे रस्में निभाई		4573

मिडिया मे एकल नारी

दैनिक भास्कर — भीलवाड़ा

रक्षासूत्र बांधा तो राज्यमंत्री धीरज ने 2000 बहनों को चुनरी ओढ़ाई

8 अक्टूबर 2022

सौ में सत्तर काम हमारे-लिखो बही में नाम हमारे

एकल महिलाओं ने प्रशिक्षण शिविर में दिखाई ताकत

पेड़ से गिरकर युवक गंभीर

राणा प्रताप और गांधी

patrika.com

3 नवम्बर 2022
Page No. 05

चम्बल संदेश

एकल महिलाओं की समस्या का किया जाएगा समाधान

दैनिक भास्कर

न्यूज ब्रीफ

एकल नारी संगठन ने मनाया बहन दूज कार्यक्रम

न्यूज ब्रीफ

एकल नारी संगठन ने मनाया बहन दूज कार्यक्रम

पेयजल सप्लाई का समय बदलने की मांग

दैनिक भास्कर

एकल महिलाओं को भूमि अधिकार के कानूनी प्रावधान बताए

बारां पत्रिका 08

सीसवाली, बोहत, कस्बाथाना, पैदरी, समरानियां, राम

महिलाओं ने जाने निडर होकर जीने के अधिकार

पत्रिका शी न्यूज

Page No. 02
दैनिक भास्कर 3 नवम्बर 2022

एकल नारी शक्ति संगठन की पहल पर पहली बार मनाई बहनादूज

विधवाओं ने चुनरी ओढ़ी, मेहंदी लगाई लाख का चूड़ा पहनकर बांधे रक्षासूत्र

एकल नारी संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महिलाएं।

संस्थान का कार्य क्षेत्र ब्लाक व जिलों की सूची

क0सं0	जिला	ब्लाक
1.	कोटा	1. कोटा शहर 2. ईटावा 3. कनवास 4. सांगोद 5. सुल्तानपुर 6. खैराबाद
2.	बून्दी	7. के0पाटन 8. हिण्डोली 9. नैनवां
3.	झालावाड	10. मनोहरथाना 11. बकानी 12. झालरापाटन 13. सुनेल
4.	बांरा	14. अटरु 15. छबड़ा 16. बांरा 17. शाहबाद
5.	स0माधोपुर	18. चौथ का बरवाड़ा 19. स0माधोपुर 20. खण्डार
6.	टोंक	21. टोक ब्लाक 22. टोक शहर 23. निवाई 24. देवली 25. उनियारा
7.	भीलवाड़ा	26. जहाजपुर 27. शाहपुरा 28. बनेडा 29. कोटडी 30. माण्डलगढ
8.	दौसा	31. लालसोट 32. दौसा 33. सिकराई

9.	जयपुर	34. बस्सी 35. दूदू
10.	हनुमानगढ	36. नोहर 37. भादरा
11.	सीकर	38. पीपराली 39. श्रीमाधोपुर 40. लक्ष्मणगढ
12.	करोली	41. हिण्डोन 42. सपोटरा 43. करोली
13.	भरतपुर	44. बयाना 45. भरतपुर सेवर 46. रुपवास
14.	झुझुंनू	47. उदयपुरवाटी 48. नवलगढ
15.	गंगानगर	49. रायसिंहनगर
16.	धोलपुर	50. बाड़ी 51. बसेडी
17.	अलवर	52. थानागाजी 53. उमरेण 54. रामगढ़
18.	उदयपुर	55. झाड़ोल 56. देवला/कोटडा 57. गिर्वा –पई, 58. पडुणा 59. सलुम्बर 60. सराड़ा 61. केसरियाजी 62. फलासिया
19.	बांसवाडा	63. आनन्दपुरी 64. कुशलगढ 65. तलवाड़ा 66. गढी 67. घाटोल
20.	डूंगरपुर	68. डूंगरपुर 69. सांगवाडा 70. बिच्छीवाड़ा

		71. आसपुर 72. गलियाकोट 73. सीमलवाडा
21.	राजसमन्द	74. आमेट
22.	चित्तोडगढ	75. निम्बाहेडा
23.	सिरोही	76. पिण्डवाडा
24.	जालोर	77. जालोर 78. आहोर
25.	बाड़मेर	79. चोहट्टन 80. सिणधरी 81. बायतु 82. बाड़मेरं
26.	जोधपुर	83. बाप 84. फलोदी 85. ओंसिया 86. बालेसर 87. जोधपुर शहर
27.	नागौर	88. लाडनू 89. पर्वतसर 90. डेगाना
28.	पाली	91. मा0जक्शंन 92. सोजत 93. रायपुर 94. जेतारण
29.	प्रतापगढ़	95. अरनोद 96. धरियावद 97. प्रतापगढ 98. पीपलखूंट
30.	अजमेर	99. सिलोरा 100. पुष्कर शहर 101. पीसांगन 102. मसूदा 103. ब्यावर 104. जवाजा 105. अजमेर शहर 106. अराई 107. किशनगढ